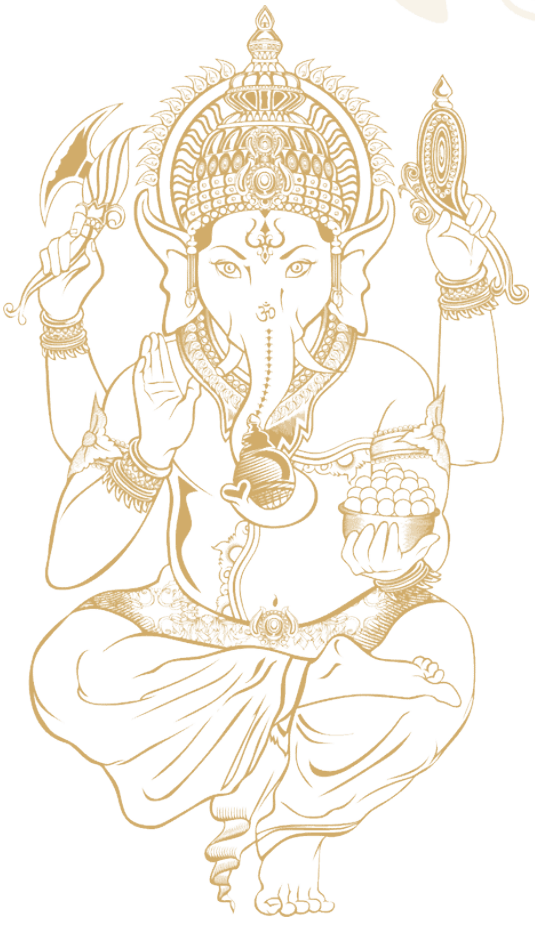

Krishan Shavti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121009109

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/05/1998	जन्म तिथि	2-03/06/1999
सोम-मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 00:24:00	जन्म समय	03:40:00 घंटे
घटी 47:20:30	जन्म समय(घटी)	55:35:36 घटी
India	देश	India
Bharatpur	स्थान	Alwar
27:13:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
77:29:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:04	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:27:48	सूर्योदय	05:28:40
19:06:25	सूर्यास्त	19:14:40
23:49:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 10मा 16दि	01:04:55	कुंभ	लग्न	मेष	16:35:12	सूर्य 5वर्ष 3मा 6दि
राहु	10:31:38	वृष	सूर्य	वृष	18:05:00	राहु
12/04/2015	10:09:39	वृष	चंद्र	धनु	28:17:34	08/09/2021
11/04/2033	07:19:47	वृष	मंगल व	तुला	00:36:51	09/09/2039
राहु 23/12/2017	23:30:10	मेष	बुध	वृष	27:54:33	राहु 21/05/2024
गुरु 17/05/2020	29:58:33	कुंभ	गुरु	मेष	01:32:05	गुरु 15/10/2026
शनि 24/03/2023	01:18:01	मेष	शुक्र	कर्क	03:10:23	शनि 21/08/2029
बुध 11/10/2025	04:38:59	मेष	शनि	मेष	17:25:38	बुध 09/03/2032
केतु 29/10/2026	12:19:09	सिंह व	राहु व	कर्क	20:53:54	केतु 28/03/2033
शुक्र 29/10/2029	12:19:09	कुंभ व	केतु व	मक	20:53:54	शुक्र 28/03/2036
सूर्य 23/09/2030	18:53:00	मक व	हर्ष व	मक	22:53:24	सूर्य 19/02/2037
चन्द्र 24/03/2032	08:12:37	मक व	नेप व	मक	10:19:57	चन्द्र 21/08/2038
मंगल 11/04/2033	12:55:44	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	15:12:24	मंगल 09/09/2039

लग्न-चलित

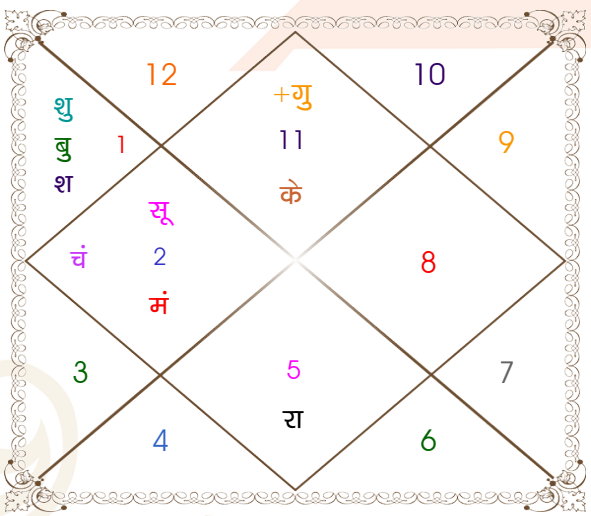

लग्न-चलित

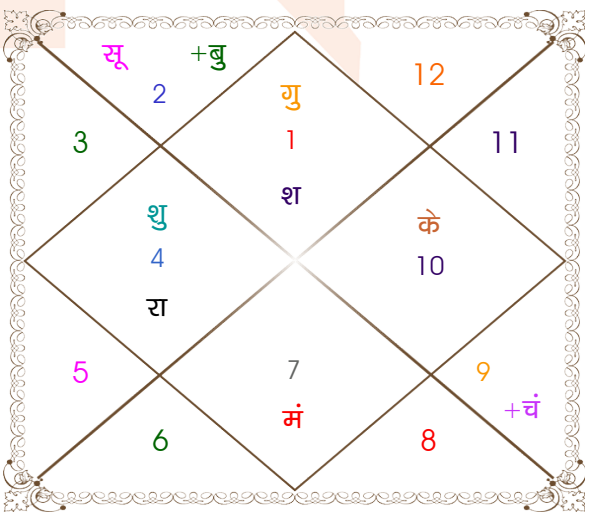

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	नकुल	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञतर्पींद का नक्षत्र रोहिणी है।

ज्ञतर्पींद का वर्ग गरूड़ है तथा Shavti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञतर्पींद और Shavti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञतर्पींद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ज्ञतर्पींद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shavti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Shavti कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Shavti कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ज्ञतर्पींद कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञतर्पींद कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञतर्पींद तथा Shavti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।